

छठवीं राष्ट्रीय जल संगोष्ठी  
“जल संसाधन एवं पर्यावरण”

16-17 दिसम्बर, 2019



राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान  
जलविज्ञान भवन  
रुड़की-247 667 (उत्तराखंड)

# प्रायोजक



भारत सरकार  
जल शक्ति मंत्रालय  
जल संसाधन,  
नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग  
DEPARTMENT OF  
**SCIENCE & TECHNOLOGY**

सत्यमेव जयते



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड  
**THDC INDIA LIMITED**

(भारत सरकार एवं उ.प्र. सरकार का संयुक्त उपक्रम)  
(A joint venture of Govt. of India & Govt. of U.P.)

# तकनीकी सत्रों का विवरण

## तकनीकी सत्र – 1

(16 दिसम्बर, 2019)

(समय – 2:00 बजे अप. से 3:30 बजे अप. तक)

विषय : सतही जल निर्धारण एवं प्रबंधन, नदियों में अविरल एवं निर्मल धारा बनाए रखने के लिए उपाय, पर्वतीय क्षेत्रों में जल प्रबंधन

स्थान : सोसायटी कक्ष, राजसं.

मूल अभिभाषण : डॉ. आर.के. जैन, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

प्रपत्र 1.1	एल-मोमेंटस का उपयोग करते हुए सब-हिमालयन क्षेत्र के लिए विभिन्न वापसी अवधि के लिये बाढ़ का पूर्वानुमान।	राकेश कुमार, पंकज मणि, जे.पी.पात्रा, तिलक राज सपरा राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 1.2	नर्मदा क्षिप्रा लिंक परियोजना का क्षिप्रा के जल पर प्रभाव	डी. एम. कुमावत तथा मनीष कुमार शर्मा, पर्यावरण प्रबंध अध्ययनशाला विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन
प्रपत्र 1.3	भारतवर्ष की नदियों के नामकरण का अध्ययन।	पुष्पेंद्र कुमार अग्रवाल तथा डॉ. शरद कुमार जैन, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की।
प्रपत्र 1.4	दैनिक वर्षा के आकड़ों द्वारा तवी नदी बेसिन के लिए अलग-अलग प्रत्यागमन अवधियों के लिए तीव्रता-अवधि-आवृत्ति (आईडीएफ) वक्र का विकास	एम.के.नेमा, प्रदीप कुमार, पी.के.मिश्रा और सौरभ नेमा राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 1.5	विभिन्न वाष्पोत्सर्जन विधियों द्वारा रुड़की क्षेत्र के लिए वाष्पोत्सर्जन दरों का तुलनात्मक अध्ययन	दिगम्बर सिंह, ए.आर सैथिल कुमार, मनोहर अरोड़ा, ओमकार सिंह, नागेश्वर अल्लका, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 1.6	भारत के रेगिस्तानी प्रदेश के एक भाग पर वर्षा के ट्रेंड विश्लेषण एवं इसके जल संसाधन प्रबंधन पर होने वाले प्रभाव	अर्चना सरकार, कुलदीप तिवारी, नीरज भटनागर, रोहित गोयल, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की
प्रपत्र 1.7	कुलसी नदी क्षेत्र (असम/मेघालय) के अंतर्गत बूटस्ट्राप आधारित कृत्रिम तंत्रिका प्रसार (आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क) का प्रयोग कर अल्पावधि बाढ़ पूर्वानुमान	एस.के. शर्मा <sup>1</sup> , जी.तिकी <sup>1</sup> , एस. बर्मन <sup>1</sup> , ए.के. लोहनी <sup>2</sup> , 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान क्षेत्रिय केंद्र, गुवाहाटी, 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 1.8	जल के इष्टतम उपयोग हेतु आवश्यक जल प्रबंधन	पुष्पेंद्र कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 1.9	मध्य हिमालय पर पिघले पानी में ट्रेस तत्वों की सांद्रता: डोकरियानि और गंगोत्री ग्लेशियर का एक केस अध्ययन	शीपिका सुन्दरियाल, डॉ राजेश सिंह, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की



## तकनीकी सत्र – 2

(16 दिसम्बर, 2019)

(समय – 2:00 बजे अप. से 3:30 बजे अप. तक)

विषय : भूजल निर्धारण एवं प्रबंधन एवं झरना पुनरुद्धार।

स्थान : व्याख्यान कक्ष, राजसं.

मूल अभिभाषण : श्री एम.के. श्रीनिवास, महानिदेशक, एन.डब्ल्यू.डी.ए., नई दिल्ली

प्रपत्र 2.1	वारंगल जिले का भूजल पुनर्भरण आकलन।	अंजली <sup>1</sup> , आशीष मलिक <sup>2</sup> , 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की, 2लोकसभा सचिवालय, नई दिल्ली
प्रपत्र 2.2	भारतीय चिन्तन परम्परा में जल एवं पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा	गणेश कुमार पाठक, अमर नाथ मिश्र पी.जी. कालेज दूबेछपरा, बलिया (उ.प्र.)
प्रपत्र 2.3	बदलते मौसम में निरंतर सूखते हिमालयी जल स्रोतों (झरनों) के पुनरुद्धार हेतु वैज्ञानिक समाधान।	एस.एस. रावत <sup>1</sup> , प्रदीप कुमार <sup>2</sup> , सुमन गुर्जर <sup>2</sup> , पी.जी. जोस <sup>1</sup> , गिरीश रैना <sup>1</sup> , एस.पी. राय <sup>3</sup> , 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, जम्मू 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड, 3बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
प्रपत्र 2.4	बारिश की एक-एक बूँद है बेशकीमती: वर्षा जल संचयन।	सुजाता <sup>1</sup> एवं राजेश सिंह <sup>2</sup> , 1जलविहार कॉलोनी राजसं., रुड़की, 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की।
प्रपत्र 2.5	मध्य गंगा घाटी में घटता भू-जल विकास स्तर : समस्याएं एवं समाधान।	<sup>1</sup> गणेश कुमार पाठक, <sup>2</sup> अखिलेश्वर कुमार द्विवेदी, 1अमरनाथ मिश्र पी.जी. कालेज, दूबेछपरा, बलिया (उ.प्र.) 2अ.प्र.ब. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग, उत्तराखण्ड,
प्रपत्र 2.6	पूर्वी उत्तर प्रदेश में भूमिगत जल का गहराता संकट: समस्याएं एवं समाधान।	<sup>1</sup> सुनील कुमार ओझा, <sup>2</sup> सुनील कुमार चतुर्वेदी, <sup>3</sup> गणेश कुमार पाठक, 1अमरनाथ मिश्र पी0जी0 कालेज, दूबेछपरा बलिया (उ.प्र.) 2कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज, बलिया (उ0प्र0), 3अमर नाथ मिश्र पी.जी. कालेज, दूबेछपरा, बलिया (उ.प्र.)
प्रपत्र 2.7	दिल्ली में शहरीकरण के विगत 26 वर्ष-ग्राउंडवाटर रिचार्ज पर बढ़ती इम्परवियस सरफेस का प्रभाव।	नितेश पाटीदार <sup>1</sup> , अशोक के. केशरी <sup>2</sup> 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की, 2भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।
प्रपत्र 2.8	सौराष्ट्र प्रायद्वीप के तटीय नदी बेसिन में सिंचाई अनुकूलता हेतु भूजल गुणवत्ता आंकलन	अनुपमा शर्मा, अंजू चौधरी, पारुल गुप्ता, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

## तकनीकी सत्र – 3

(16 दिसम्बर, 2019)

(समय – 4:00 बजे अप. से 5:30 बजे अप. तक)

विषय : जल संसाधनों के विकास के लिए नवीनतम तकनीकें, जल संसाधनों के मूल्यांकन एवं प्रबंधन के लिए जल विज्ञानीय निदर्श एवं डिजीजन सपोर्ट सिस्टम (डी.एस.एस.)

स्थान : सोसायटी कक्ष, राजसं.

मूल अभिभाषण : डॉ. एस.पी अग्रवाल, आई.आई.आर.एस. देहरादून

प्रपत्र 3.1	संजय नदी पर प्रस्तावित दुगनी बराज हेतु गणितीय प्रतिमान अध्ययन, झारखण्ड	कुलदीप मलिक, श्रीमति कस्तूरी विनेश कट्टे, महेंद्र कुमार पवार, सिंहगड रोड, खडकवासला पुणे
प्रपत्र 3.2	फजी तकनीक द्वारा उपचार किये गये अपशिष्ट जल का प्रबंधन	रमा मेहता, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 3.3	वेब आधारित तकनीकों का पानी-पर्यावरण के लिए समाज-शिक्षण में योगदान (केस-स्टडी : इंडिया वाटर पोर्टल-हिंदी)	एडवोकेट, मीनाक्षी अरोड़ा, यमुना रीवर कीपर, देहरादून, उत्तराखंड
प्रपत्र 3.4	पानी में ऊष्मिय प्रदूषण प्रबंधन हेतु गणितीय प्रतिमानों का महत्व	संजय नाथ झा, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे
प्रपत्र 3.5	गंगाकोश: आधुनिक तकनीक द्वारा गंगा नदी से सम्बंधित सूचनाओं का प्रचार एवं प्रसार	दीपा चालीसगाँवकर, पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रभाष कुमार मिश्र, मनीष कुमार नेमा, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 3.6	हाइड्रो-डाइनेमिक मॉडल तथा जीआईएस द्वारा फ्लैश फ्लड का आंकलन एवं चित्रण	<sup>1</sup> अनिल कुमार लोहनी, <sup>2</sup> योगेश जोशी, <sup>1</sup> संजय कुमार जैन, <sup>1</sup> राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की, <sup>2</sup> भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 3.7	सौंदर्य जलाशय में डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग करके अवसादन का आंकलन	राहुल कुमार जैसवाल, अनूप कुमार राय, रवि गलकटे, सुकान्त जैन, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल।
प्रपत्र 3.8	ऊपरी गंगा बेसिन में हिम मानचित्रण और वेब अनुप्रयोग	एल एन ठकुराल, आशीष भंडारी, अतुल भारद्वाज, वी एस जयकांथन, डी एस राठौर, दीपा चालीसगाँवकर, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की



## तकनीकी सत्र – 4

(16 दिसम्बर, 2019)

(समय – 4:00 बजे अप. से 5:30 बजे अप. तक)

विषय : कृषि में जल बचत की तकनीकें  
 स्थान : व्याख्यान कक्ष, राजसं.  
 मूल अभिभाषण : इंजी. अविनाश सी. त्यागी, पूर्व सेक्रेटरी जनरल, आई.सी.आई.डी, नई दिल्ली

प्रपत्र 4.1	चना और धनिया की अंतर फसल पर विभिन्न सिंचाई विधियों का प्रभाव	झालेश कुमार, सुंदरम पी.जी.व्यास हास्टल जोरा
प्रपत्र 4.2	अभासी जल की बचत पर भी ध्यान दिया जाये	ओ.पी.जोशी, मधुबन कालोनी, इन्दोर
प्रपत्र 4.3	कृषि में जल संरक्षण तकनीकें—एक काव्यात्मक प्रस्तुतीकरण	डॉ आशुतोष उपाध्याय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना
प्रपत्र 4.4	वर्षा आधारित कृषि हेतु उपयोगी जल बचत तकनीक व जन भागीदारी	डॉ संतराम यादव, कें.बा.कृ.अनु.संस्थान, संतोषनगर हैदराबाद
प्रपत्र 4.5	कृषि में जल बचत की प्रौद्योगिकियाँ	रणबीर सिंह, भा.कृ.अनु. संस्थान, पूसा, नई दिल्ली
प्रपत्र 4.6	एग्री-वोल्टीइक प्रणाली: एकल भूमि उपयोग तंत्र में फसल एवं बिजली उत्पादन तथा वर्षा जल संरक्षण	रंजय कुमार सिंह एवं प्रियव्रत सांतरा, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
प्रपत्र 4.7	कृषि में जल प्रबंधन तथा मौसम की पूर्व जानकारी में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी – “पूसा एम कृषि”	नंदन सिंह राजपूत, अनिल कुमार सिंह, कैलाश चंद्र शर्मा, आदित्य तिवारी, श्याम किशोर वर्मा, दिनेश कुमार सिंह, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस, ठाणे मुंबई
प्रपत्र 4.8	सुंदरबन क्षेत्र में मिट्टी-पानी के मुद्दे और संभावित प्रबंधन।	गोपाल कृष्ण <sup>1</sup> , पूरनबा दास गुप्ता <sup>2</sup> , एंड्रू मैकेंजी <sup>3</sup> , सी. पी.कुमार <sup>1</sup> , डी बर्मन <sup>4</sup> , यू.के. मंडल <sup>4</sup> , अंजू चौधरी <sup>1</sup> 1 राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की 2 राजारहाट प्रसारी 3 ब्रिटिश जियोलाजिकल सर्वे, यू.के. 4 ICAR-CSSRI, कैनिंग टाउन कोलकाता

## तकनीकी सत्र – 5

(17 दिसम्बर, 2019)

(समय – 9:30 बजे पूर्वा. से 11:00 बजे पूर्वा. तक)

विषय : जलवायु परिवर्तन, एकीकृत जल प्रबंधन युक्ति

स्थान : मन्थन हॉल, राजसं.

मूल अभिभाषण : इंजी. आर.डी.सिंह, पूर्व निदेशक, राजसं.

प्रपत्र 5.1	नदी घाटी पर बढ़ते शहरीकरण के प्रभाव—एक सामान्य अध्ययन	भजन लाल मेघवाल, शोधार्थी, भूगोल विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
प्रपत्र 5.2	जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव एवं खाद्य सुरक्षा—एक चुनौती।	सुनील कुमार त्यागी एवं भुपिन्द्र सिंह, पर्यावरण विज्ञान एवं जलवायु समुत्थीनशील कृषि केंद्र, नई दिल्ली
प्रपत्र 5.3	जलवायु परिवर्तन का जल संसाधन पर प्रभाव।	डी.डी. ओझा, ब्रह्मपुरी हजारी चबूतरा, जोधपुर
प्रपत्र 5.4	उत्तराखंड हिमालय में जलवायु परिवर्तन का अध्ययन: प्राचीन वर्षा के बदलते रुझान।	नीरज भटनागर <sup>1</sup> , अर्चना सरकार <sup>1</sup> , वैभव गर्ग <sup>2</sup> , 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की 2भारतीय सुंदर संवदन संस्थान, देहरादून
प्रपत्र 5.5	जलवायु परिवर्तन अनुमानों में अनिश्चिततायें।	मनोहर अरोड़ा, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 5.6	जलवायु परिवर्तन के साथ भारत में विकराल होती संभावित सूखे की समस्या।	दीपक सिंह बिष्ट, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 5.7	ऊपरी गंगा बेसिन में बादलों के फटने की संभावना एवं संवेदनशीलता का आकलन।	पी.के.मिश्रा, रिनोज जे.थैय्यन, एम.के. नेमा, एच.सिंह, एस. दास, पी.कुमार, नरेश कुमार, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 5.8	एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन (IWRM) के संदर्भ में जल गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क की पहचान एवं योजना।	सुरजीत सिंह, अंजू चौधरी, सुमन गुर्जर, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 5.9	जलवायु परिवर्तन का कमांड क्षेत्र (सिंचन क्षेत्र) की सिंचाई आवश्यकता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।	राहुल कुमार जैसवाल <sup>1</sup> , अनिल कुमार लोहनी <sup>2</sup> , रवि गलकटे <sup>1</sup> 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र भोपाल 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की



## तकनीकी सत्र – 6

(17 दिसम्बर, 2019)

(समय – 9:30 बजे पूर्वा. से 11:00 बजे पूर्वा. तक)

विषय : पर्यावरण एवं जल गुणवत्ता, जल विभाजक प्रबंधन  
 स्थान : व्याख्यान कक्ष, राजसं.  
 मूल अभिभाषण : डॉ. ए.के. लोहनी, वैज्ञा. जी, रा.ज.सं. रुड़की

प्रपत्र 6.1	भारत में हरियाणा राज्य के मेवात जिले में मृदा प्रदूषण के संबंध में भारी धातुओं का आंकलन।	संजय मित्तल, गोपाल कृष्ण, सी.पी. कुमार, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 6.2	पंजाब में जलभृत लवणता की समस्या	गोपाल कृष्ण, चंद्र प्रकाश कुमार, सुमन गुर्जर, बलविंदर सिंह सिद्धू, गोकुल प्रसाद, अंजू चौधरी, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 6.3	सौंदर्य प्रसाधन: जल प्रदूषण एवं प्रभाव।	वीना चौधरी <sup>1</sup> , मुकेश कुमार <sup>2</sup> , 1एसोसिएट प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग, मेरठ 2मेरठ कॉलेज, मेरठ
प्रपत्र 6.4	भूमि उपयोग परिवर्तन और शहरीकरण के शहरी-ऊष्मात-द्वितीय प्रभाव: लखनऊ शहर का एक अध्ययन।	एम.के.नेमा <sup>1</sup> , दीपक खरे <sup>2</sup> , लवशंकर भारती <sup>3</sup> , शरद कुमार जैन <sup>1</sup> 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की 2आई.आई.टी. रुड़की 3पूर्व छात्र, आई.आई.टी. रुड़की
प्रपत्र 6.5	भारत के उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में भूजल गुणवत्ता का आंकलन।	सुमंत कुमार, अंजू चौधरी, संजय मित्तल, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 6.6	बेमेतरा जिला, छत्तीसगढ़ में भूजल गुणवत्ता का मूल्यांकन	मुकेश कुमार शर्मा, प्रदीप कुमार, राकेश गोयल एवं मोहित कुमार, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 6.7	भूजल में उभरते हुए दूषित पदार्थ और उनके निवारण।	मुकेश कुमार शर्मा, बबीता शर्मा एवं बीना प्रसाद, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 6.8	रिस्पना नदी के सतह जल की गुणवत्ता का वर्णन।	सौरभ दास <sup>1</sup> , राजेश सिंह <sup>3</sup> , वी.के. पाण्डेय <sup>2</sup> , आर.पी.पांडे <sup>3</sup> , 1MIGI भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ 2IGKV, रायपुर 3राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 6.9	देवबन्द (सहारनपुर) उत्तर प्रदेश, में नगरीय ठोस कचरे का प्रबन्धन।	अली हैदर <sup>1</sup> , दिगम्बर सिंह <sup>2</sup> , ए.आर. सैथिल कुमार <sup>2</sup> , हुकम सिंह <sup>2</sup> , 1देवबन्ध, सहारनपुर 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

## तकनीकी सत्र – 7

(17 दिसम्बर, 2019)

(समय – 11:30 बजे पूर्वा. से 1:00 बजे अप. तक)

विषय : वर्षा जल संचयन एवं पुनः उपयोग, जल संसाधन प्रबंधन में जन भागीदारी

स्थान : मन्थन हॉल, राजसं.

मूल अभिभाषण : डॉ. दीपक खरे, आई.आई.टी. रुड़की।

प्रपत्र 7.1	भूजल संचयन, पुनर्भरण एवं प्रबंधन	अनिल बागवान, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे
प्रपत्र 7.2	जल-संपत्ति एवं यथोचित आपूर्ति- एक अवलोकन	प.म. अब्दुल रहमान, शोभित सिंह, किशोर फरांडे, सतीश कुलकर्णी, केन्द्रीय जल एवं विद्युत, अनुसन्धानशाला, पुणे
प्रपत्र 7.3	जल संकट की आहट और जन-भागीदारी	संजय चौधरी, मथुरा मार्ग, नई दिल्ली
प्रपत्र 7.4	भारतीय प्रिंट मीडिया में जलवायु परिवर्तन कवरेज: एक लेख विश्लेषण	मनोहर अरोडा, नरेन्द्र कुमार वाष्ण्य, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 7.5	हाइड्रोलॉजी में साइंटोमेट्रिक्स: एक समीक्षा पत्र।	रोहित सांबरे, वी.सी.गोयल, अर्चना सरकार, मो. फुरकान उल्लाह, चारु पाण्डेय, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 7.6	वैदिक काल में भू-जलविज्ञान एवं जल गुणवत्ता	समीर व्यास, केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला, नई दिल्ली
प्रपत्र 7.7	क्षेत्रीय जल की कमी के सतत समाधान हेतु जम्मू क्षेत्र के कंडी बेल्ड में तालाबों का जलविज्ञानीय अध्ययन-एक समीक्षा	द्रोण खुराना <sup>1</sup> , एस.एस.रावत <sup>1</sup> एवं एम. के. गोयल <sup>2</sup> , 1राजसं.क्षेत्रीय केंद्र जम्मू, 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 7.8	राजस्थान में जल संरक्षण की पुरातन विशिष्ट संरचनाएं आज भी प्रासंगिक।	डॉ. डी.डी. ओझा, ब्रह्मपुरी हजारी चबूतरा, जोधपुर।
प्रपत्र 7.9	ग्रामीण तालाब के जीर्णोद्धार में सहायक रूटजोन वेटलैण्ड तकनीकी: घरेलू अपशिष्ट जल का प्राकृतिक तरीके से शुद्धीकरण	ओमकार सिंह, राजेश सिंह, वी.सी. गोयल, दिगम्बर सिंह, एवं निहाल सिंह, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की



## तकनीकी सत्र – 8

(17 दिसम्बर, 2019)

(समय – 11:30 बजे पूर्वा. से 1:00 बजे अप. तक)

विषय	:	बाढ़ एवं सूखा प्रबंधन
स्थान	:	व्याख्यान कक्ष, राजसं.
मूल अभिभाषण	:	डॉ. राकेश कुमार, वैज्ञा. 'जी', राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

प्रपत्र 8.1	तटीय जलाशय के संबंध में तटीय विज्ञान के कुछ सुझाव	जगोत्ताम दास अग्रवाल, खडकवासला पुणे
प्रपत्र 8.2	बिहार में 2019 ई. का अभूतपूर्व जल संकट एक विश्लेषण	विद्यानाथ झा <sup>1</sup> , मणिशंकर झा <sup>2</sup> , शारदानन्द चौधरी <sup>3</sup> , 1मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा 2विवेकानन्द टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, दरभंगा 3 एम.के. कॉलेज, लहरियासराय
प्रपत्र 8.3	पश्चिमी राजस्थान में सूखा प्रबंधन द्वारा फसल संरक्षण	महेश कुमार गौड़ एवं राजेश कुमार गोयल, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान जोधपुर
प्रपत्र 8.4	एक आयामी और दो-आयामी द्रवगतिकीय निदर्श के युग्मन के उपयोग से बांध-भंग बाढ़ आप्लावन का निदर्शन करना	जे.पी.पात्रा <sup>1</sup> , राकेश कुमार <sup>1</sup> , पंकज मणि <sup>2</sup> , तिलक राज सपरा <sup>1</sup> , 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, पटना
प्रपत्र 8.5	माइक फ्लड सॉफ्टवेयर का उपयोग करके जलाशय के तटबंध की विफलता के लिए बाढ़ शमन योजना	तिलक राज सपरा <sup>1</sup> , राकेश कुमार <sup>1</sup> , पंकज मणि <sup>2</sup> , जे.पी.पात्रा, 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, पटना
प्रपत्र 8.6	प्रभावी न्यूनीकरण (Mitigation) योजना के लिए सूखा के लिए बल्लेरेबिलिटी (Vulnerability) का आकलन: भारत की केन नदी बेसिन का प्रकरण	राजेन्द्र प्रसाद पांडेय, नीरज कुमार भटनागर, हुकम सिंह, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 8.7	कारटो डी ई एम आंकड़ों का उपयोग करते हुए एक पहाड़ी क्षेत्र में बांध भंग के कारण बाढ़ हजार्ड का मानचित्रण	पंकज मणि <sup>1</sup> , राकेश कुमार <sup>2</sup> , जे.पी.पात्रा <sup>2</sup> , तिलक राज सपरा <sup>2</sup> , 1राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, पटना 2राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की
प्रपत्र 8.8	उन्नत भू-स्थानिक डेटा विश्लेषण का उपयोग करके असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी की जलधाराओं की बाढ़ की मैपिंग	गुलशन तिर्की, जी. अरुण, एस. के. शर्मा और स्वप्नाली बर्मण, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी
प्रपत्र 8.9	जल उत्पादकता में वृद्धि से जल संकट का समाधान: राजस्थान राज्य विशिष्ट	राजेश कुमार गोयल, महेश कुमार गौड़, रंजय कुमार सिंह, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर